अध्याय 2:
लेखापरीक्षा रूप रेखा

अध्याय 2: लेखापरीक्षा रूप रेखा

2.1 लेखापरीक्षा उद्देश्य

मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार योजना के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए यह निष्पादन लेखापरीक्षा की गई थी। इस निष्पादन लेखापरीक्षा के लेखापरीक्षा उद्देश्य अग्रलिखित है:

- क्या पीएमयूवाई कनैक्शन पर्याप्त सावधानी के बाद एसईसीसी-2011 सूची के केवल पात्र और अभीष्ट परिवारों को ओएमसी द्वारा जारी और संस्थापित किये गए हैं?
- क्या पीएमयूवाई लाभार्थियों को सेवा प्रदान करने के लिए एलपीजी वितरण नेटवर्क के प्रोत्साहन हेतु पर्याप्त उपाय किये गये हैं?
- क्या ओएमसीज ने निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार पीएमयूआई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी का प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए और योजना की जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठाये हैं?
- क्या पीएमयूवाई योजना ने लाभार्थियों को एलपीजी के निरंतर उपयोग हेतु बढ़ावा दिया है?

2.2 लेखापरीक्षा कार्यक्षेत्र

निष्पादन लेखापरीक्षा में मई 2016 से दिसम्बर 2018 की अवधि के दौरान पीएमयूवाई (ई-पीएमयूवाई को छोड़कर) के कार्यान्वयन को कवर किया गया। ओएमसी द्वारा उपलब्ध कराये गये 31 दिसम्बर 2018 तक के पीएमयूवाई उपभोक्ता ट्रांजैक्सन डेटाबेस का डेटा विश्लेषण किया गया। यद्यपि क्षेत्रीय लेखापरीक्षा में मार्च 2018 तक पीएमयूवाई लेन-देनों की लेखापरीक्षा शामिल थी। इसमें चयनित एलपीजी वितरकों पर पीएमयूवाई लाभार्थियों के केवाईसी/ अन्य दस्तावेजों की जांच के अतिरिक्त तीन ओएमसीज के विपणन मुख्यालय राज्य/जोनल/प्रादेशिक/क्षेत्रीय कार्यालयों में अवसरंचना की क्षमता की समीक्षा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, नमूने में कवर किये गये प्रत्येक एलपीजी वितरक पर चयनित पीएमयूवाई लाभार्थियों का लाभार्थी सर्वेक्षण भी किया गया था। एमओपीएनजी/पीपीएसी में योजना की निगरानी और ओएमसीज के दावों के निपटान की समीक्षा की गई थी।

2.3 लेखापरीक्षा मानदंड

अग्रलिखित लेखापरीक्षा मानदंड प्रयुक्त किये गये थे:

- ❖ पीएमयूवाई पर केबिनेट नोट और कार्यसूची;
- ❖ पीएमयूवाई के आरंभ करने और कार्यान्वयन हेतु ओएमसीज को एमओपीएनजी द्वारा जारी किये गये परिपत्र/दिशानिर्देश/निर्देश आदि;
- ❖ पीएमयूवाई के कार्यान्वयन हेतु स्थापित साधन;

- ❖ पात्र बीपीएल परिवारों के विवरण वाला एसईसीसी-2011 डेटा;
- ❖ पीएमयूवाई दावों के प्रस्तुतीकरण और निपटान हेतु एमओपीएनजी द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया;
- ❖ पीएमयूवाई और बीपीएल लाभार्थियों को ब्याज रहित ऋण प्रदान करने के संबंध में ओएमसीज का बोर्ड कार्यसूची और कार्यवृत्त ।

2.4 लेखापरीक्षा नमूना और नमूनाकरण पद्धति

31 मार्च 2018 तक, 15736 एलपीजी वितरको के पास सक्रिय पीएमयूवाई लाभार्थी थे। ओएमसी-वार वितरक और उनके पंजीकृत तथा सक्रिय पीएमयूवाई लाभार्थियों के विवरण नीचे दिये गये है:

तालिका 2.1: पीएमयूवाई एलपीजी वितरक और लाभार्थियों के ओएमसी-वार विवरण (31.03.2018 को)

विवरण	आईओसीएल	बीपीसीएल	एचपीसीएल	कुल
एलपीजी वितरकों की कुल संख्या	7883	3857	3996	**15736**
कुल पंजीकृत ग्राहक	1.69 करोड़	0.95 करोड़	0.96 करोड़	**3.60** करोड़
कुल सक्रिय ग्राहक	1.66 करोड़	0.91 करोड़	0.95 करोड़	**3.52** करोड़

लेखापरीक्षा ने वितरकों के स्तर पर निम्नलिखित जोखिम मानदंडों के आधार पर विस्तृत संवीक्षा के लिए ओएमसी के बाजार शेयर आधार पर 164 वितरकों (15736 का 1.04 *प्रतिशत*) का चयन किया:

- गैस स्टोव और पहली रिफिल के लिए ब्याज रहित ऋण के साथ जारी किये गये पीएमयूवाई एलपीजी कनेक्शनो की संख्या।
- बिना रिफिल के कनैक्शन की संख्या अर्थात जहां एलपीजी कनैक्शन जारी किये गये थे परन्तु लाभार्थियों के परिसर में स्थापित नहीं किये गये थे।
- पीएमयूवाई कनैक्शन के जारी करने के बाद केवल एक रिफिल लेने वाले वाले कनैक्शनों की संख्या।
- प्रतिमाह एक से अधिक रिफिल लेने वाले कनैक्शनों की संख्या।

क्षेत्रीय लेखापरीक्षा के लिए नमूने में चयनित एलपीजी वितरकों में 17.61 लाख पीएमयूवाई लाभार्थियों अर्थात कुल पीएमयूवाई लाभार्थियों का लगभग पांच *प्रतिशत* तक कवर किया गया है।

2.4.1 नमूनाकरण प्रक्रिया

लेखापरीक्षा द्वारा अग्रलिखित प्रक्रिया को अपनाते हुए लेखापरीक्षा नमूने को प्राप्त करने के लिए डेटा विश्लेषण तंत्र प्रयुक्त किया गया था:

क) ऊपर बताये गये मानदंडों में से प्रत्येक के लिए वितरक-वार *प्रतिशतक* की गणना तीनो ओएमसीज के लिए की गई थी;

ख) तीनो ओएमसीज के सभी वितरकों के लिए संचयी *प्रतिशतक* निकालने के लिए चार मापदंडों के लिए वितरक-वार *प्रतिशतक* जोड़े गए;

ग) प्रत्येक ओएमसी के एलपीजी वितरकों को तब चार भौगोलिक क्षेत्रों उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में विभाजित किया गया था।

घ) प्रत्येक क्षेत्र में ओएमसी में एलपीजी वितरकों को तब सक्रिय पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या के अवरोही क्रम में रखा गया था और तीन वर्गों में विभाजित किया गया था अर्थात वितरकों की समान संख्या के साथ शीर्ष, मध्य और निचले वर्गों मे;

ङ) प्रत्येक क्षेत्र में संबंधित ओएमसीज के प्रत्येक वर्ग में, एलपीजी वितरकों को तब संचयी *प्रतिशतक* के घटते क्रम में व्यवस्थित किया गया था;

एलपीजी वितरकों को उपरोक्त ओएमसी के लिए क्रमश: शीर्ष, मध्य और निचले वर्गों के लिए 6:3:1 के अनुपात में उपरोक्त तीन वर्गों से चुना गया।

2.5 लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

निष्पादन लेखा परीक्षा 19 जुलाई 2018 को एमओपीएनजी और ओएमसीज के साथ एक प्रवेश सम्मेलन के साथ शुरू हुई जिसमें लेखा परीक्षा के उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र, मानदंडों और कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई। तत्पश्चात, क्षेत्रीय स्तर पर प्रवेश सम्मेलन भी संबंधित एमएबी द्वारा आयोजित किए गए थे।

31 दिसंबर 2018 तक के पीएमयूवाई उपभोक्ता डेटाबेस का, जैसा कि तीन ओएमसीज द्वारा प्रदान किया गया, लेखा परीक्षा द्वारा विश्लेषण किया गया था। इंटरएक्टिव डेटा एक्सट्रैक्शन एंड एनालिसिस (आईडिया) टूल की सहायता से विश्लेषण किया गया। नमूने के अनुसार 164 चयनित वितरकों की क्षेत्रीय लेखापरीक्षा की गई थी ताकि यह जांचा जा सके कि वितरकों और ओएमसी द्वारा आवेदकों की पहचान और पात्रता की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त परिश्रम किया गया था या नहीं। चयनित 164 एलपीजी वितरकों में से प्रत्येक पर कम से कम 10 लाभार्थियों के लाभार्थी सर्वेक्षण के साथ कम से कम 100 केवाईसी रिकॉर्ड की विस्तृत लेखापरीक्षा की गई। तदनुसार, क्षेत्रीय लेखा परीक्षा के दौरान कुल 18558 पीएमयूवाई लाभार्थियों के केवाईसी रिकॉर्ड की समीक्षा की गई और 1662 पीएमयूवाई लाभार्थियों के लाभार्थी सर्वेक्षण किए गए।

इसके अतिरिक्त, ओएमसीज की एलपीजी अवसंरचना की समीक्षा और पीपीएसी के साथ ओएमसी द्वारा दर्ज नकद सहायता दावों और एमओपीएनजी द्वारा जारी भुगतान की भी लेखापरीक्षा की गई थी।

मसौदा निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट जिसमें लेखापरीक्षा निष्कर्ष शामिल थे, 15 मार्च 2019 को तीनों ओएमसी को जारी की गई थी। मसौदा निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट के लिए ओएमसीज का उत्तर अप्रैल 2019 में मिला था, जिसे एमओपीएनजी को जारी की गई मसौदा निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट (26 अप्रैल 2019) में विधिवत शामिल किया गया था। एमओपीएनजी द्वारा मसौदा लेखापरीक्षा रिपोर्ट के उत्तरों के साथ-साथ 30 मई 2019 को आयोजित निकास सम्मेलन

के दौरान दिए गए उत्तरों को भी इस निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट में विधिवत शामिल किया गया था।

2.6 लेखापरीक्षा निष्कर्ष

पीएमयूवाई योजना के प्रत्येक उद्देश्य पर लेखापरीक्षा निष्कर्षों को निम्नलिखित अध्यायों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया।

- ❖ अध्याय 3: पीएमयूवाई के अंतर्गत एलपीजी कनैक्शनों का वितरण
- ❖ अध्याय 4: सुरक्षा मानकों का अनुपालन
- ❖ अध्याय 5: अवसंरचना संबंधी तैयारी
- ❖ अध्याय 6: बीपीएल परिवारों का एलपीजी मे पारगमन
- ❖ अध्याय 7: वित्तीय प्रबंधन
- ❖ अध्याय 8: निष्कर्ष और सिफारिशें

यह देखा जा सकता है कि कुछ टिप्पणियों में उजागर किये गये डेटा में विसंगतियों के परिणाम को जांच किये गये नमूना आकार की तुलना में मामलों की संख्या या सम्मिलित राशि के रूप में इतना महत्व नहीं दिया जा सकता। लेखापरीक्षा में यद्यपि, निष्कर्ष योजना उद्देश्यों के प्राप्त किये जाने की सीमा और प्रणाली परिप्रेक्ष्य से विशेष विसंगतियों को उजागर करने के लिए सूचित किया गया है ताकि अभीष्ट लाभार्थियों को बेहतर सेवाऐं देने के लिए योजना का कार्यान्वयन भली-भाँति किया जा सके।